वर्मीकल्चर–कम्पोस्टः प्रशिक्षण मैन्युअल

मोड्यूल–1: आधुनिक खेती एवं प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग

1.1 प्राकृतिक संसाधान
1.2 परम्परागत् खेती के तरीके
1.3 आधुनिक खेती का विकास
1.4 खेती में रसायनों का प्रभाव

अभ्यास – 1

मोड्यूल–2: प्राकृतिक/जैविक खेती बनाम ऑर्गेनिक फार्मिंग

2.1 खेती–भोजन पदार्थों की क्वालिटी
2.2 ऑर्गेनिक फार्मिंग– एक नया अवसर
2.3 ऑर्गेनिक फार्मिंग–रसायनविहीन खेती
2.4 किसान का फैसला

अभ्यास – 2

मोड्यूल–3: पारम्परिक उर्वरक प्रबन्ध–कम्पोस्टिंग

3.1 परम्पागत् उर्वरक प्रबन्ध
3.2 कम्पोस्टिंग का विज्ञान
3.3 कम्पोस्टिंग की विधियाँ

अभ्यास – 3

मोड्यूल–4: वर्मीकल्चर–कम्पोस्ट

4.1 वर्मीकल्चर
4.2 वर्मीकल्चर के लिए केंचुए
4.3 वर्मीकल्चर में एसिनिया फटिडा (इपीजेइक) का उपयोग

अभ्यास – 4

मोड्यूल–5: वर्मीकल्चर–कम्पोस्ट का उत्पादन

5.1 स्थान
5.2 औजार एवं साधन सुविधाएँ
5.3 वर्मी कम्पोस्ट के लिए कच्चा माल–कचरा प्रबंध
5.4 वर्मी कम्पोस्ट इकाई की सफलता के लिए ...

अभ्यास – 5

मोड्यूल–6: वर्मीकल्चर की सरफेस बेड विधि

अभ्यास – 6

मोड्यूल–7: वर्मी कम्पोस्ट का उपयोग

7.1 वर्मी कम्पोस्ट की क्वालिटी : रासायनिक एवं जैविक गुण
7.2 वर्मी कम्पोस्ट एवं रसायनों की तुलनात्मक लागत
7.3 खेत के क्षेत्रफल की गणना का तरीका
7.4 बारानी फसलों में वर्मी कम्पोस्ट का उपयोग
7.5 सिंचित फसलों में वर्मी कम्पोस्ट का उपयोग
7.6 बागवानी की फसलों में वर्मी कम्पोस्ट का उपयोग
7.7 जलग्रहण क्षेत्र में वर्मी कम्पोस्ट का उपयोग

परिशिष्ट